पर्यावरणीय अध्ययन

नवम्पत्र 100अंक

सैद्धान्तिक 75

यूनिटप्रथम :- पर्यावरणविज्ञान : एक परिचय

- पर्यावरण शब्द की व्युत्पति, अर्थ एवंव्याख्या।
- पर्यावरण-अधययन की आवश्यकता एवंमहत्ता।
- आदिकालमेंमानव एवंपर्यावरण।

यूनिट द्वितीय :-परिस्थितिकीतन्त्र एवंपर्यावरणीय अवयव

- अजैविकअवयव-वायु, जल, प्रकाश, मृदा।
- जैविकअवयव-वनस्पति, जन्तु।
- पारिस्थितिकीतन्त्र के उदाहरण-घासतंत्र, वनपरिस्थितिकी,जलीय परिस्थितिकीतंत्र।
- खाद्य श्रृंखला एवं खाद्य-जल, खाद्य-स्तर, ऊर्जा-प्रवाह।

यूनिटतृतीय :-प्राकृतिकसंसाधन

1. जैवविविधता-परिभाषा, संकल्पना एवम् उपयोगिता, जैवविविधता के प्रकार, वन्य-जीवों की स्थिति-आर्थिक, भावनात्मक, नैतिक, सौन्दर्यपरक, पर्यावरणआदि की दृष्टिसेजन्तु-वासकाअभाव एवंसंकुचन, आखेटावन्य-जीवविलुप्तीकरण :-कारण एवंप्रभाव।
2. वन-संसाधान-वनसंसाधनों की स्थिति, वनों की उपयोगिता, अतिदोहन, कारणतथाप्रभाव।
3. जल-संसाधन-जलसंसाधनों की स्थिति, जल के प्रकार एवम् उपयोग, जल-संग्रहण के पारम्परिकउपाय, जलाभावः कारण एवंप्रभाव, जल-संग्रहण, बड़ेबॉध एवंपर्यावरण।
4. भूमिसंसाधन :-भूमिसंसाधन एवम् उनकीउपयोगिता, खनिजः उपयोगिता एवंदोहन, वर्तमानमेंभूमि-सम्बन्धी पर्यावरणीय समस्याएं-मृदा क्षरण, मरुस्थलीयकरण एवंभूमिअवनतिकरण।
5. ऊर्जासंसाधन-ऊर्जा की बढ़तीआवश्यकताएँ, नवीकरण एवम् अनवीकरणीय ऊर्जासंसाधन, वैकल्पिकऊर्जासंसाधन तथाउनकापर्यावरण-संरक्षणमें योगदान।
6. खाद्य संसाधन :-वैश्विक खाद्य समस्याएं,कृषि के कारणभूउपयोगमेंपरिवर्तन, आधुनिककृषि के प्रभाव, रासायनिक खाद/कीटनाशकों के दुष्प्रभाव, जलभरावतथामृदाक्षारीयता।

यूनिटचतुर्थ :-पर्यावरणीय समस्याएँ

संस्कृतवाङ्मय मेंवर्णितप्राकृतिकआपदाएँ :-

- अतिवृष्टि, अनावृष्टि, चक्रवात, सुनामी, भूकम्प, भू-स्खलन एवंबादलफटना।

- मानव-जनितपर्यावरणीय समस्याएँ:कारण, प्रभावतथाबचाव के उपाय; वायु-प्रदूषण, जलप्रदूषण, ध्वनिप्रदूषण, मृदा-प्रदूषण,ठोस-अवशिष्ट-समुद्री-प्रदूषण, नाभिकीय-प्रदूषण।

<u>वैश्विकपर्यावरणीय समस्याएँ:कारण, प्रभाव एवंबचाव के उपाय</u> :-

- जलवायुपरिवर्तन, वैश्विक तापमान-वृद्धि
- अम्लीय वर्षा।
- ओजोन-परतक्षरण।

<u>यूनिटपञ्चम</u> :-<u>मानवजनसंख्या एवंपर्यावरण</u>

- जनसंख्या-वृद्धि :दुष्प्रभाव एवंनियोजन के उपाय।
- पर्यावरण एवंस्वास्थ्य :विषाणु एवंजीवाणुजनितरोग: हिपेटाइटिस, एच0आई0वी0/एड्स,स्वाइनफ्लू, डेंगू, क्षय रोग, पीलिया।
- सामाजिकव्यवस्था-वैदिकसंस्कृति, आश्रमव्यवस्था एवम् आधुनिकस्थिति।
- खाद्य-मिलावट के खतरे।
- धूम्रपान एवंकैंसर।

<u>यूनिटषष्ठ</u> :-<u>पर्यावरण-संरक्षण एवंपर्यावरण-अधिनियम</u>

- वैदिक एवंवैदिकोत्तरकालमेंवन-संरक्षण, जल-संरक्षण, वन्य-जीव-संरक्षण, भूमि-संरक्षणआदि।
- भारतीय संविधान की धारा 48 Aएवं 51 A-(g)।
- पर्यावरणीय अधिनियम :वन्य जीव-संरक्षणअधिनियम 1972, जल(प्रदूषण-निरोध एवंनियन्त्रण)-अधिनियम 1974, वन-संरक्षण-अधिनियम 1980, पर्यावरणसंरक्षणअधिनियम 1986
- स्वचालितवाहनों के धूम्र-उत्सर्जनमानक(यूरो/भारत), इकोमार्क।
- जन-जागरुकता-अभियान(पर्यावरण-संरक्षण के सम्बन्ध में)।
- नागरिकोंकापर्यावरण-संरक्षणमेंकर्तव्य।

<u>यूनिटसप्तम</u> :-<u>वर्तमानपरिप्रेक्ष्य मेंसंस्कृतवाङ्मय मेंवर्णितपर्यावरणसंरक्षण की प्रासंगिकता</u>

- सतत् विकास की अवधारणा।
- उत्तराखण्डमेंसतत् विकास की संकल्पना,संसाधनोंकासदुपयोग, बीजबचाओआन्दोलन, चिपकोआन्दोलन।
- पवित्र एवंग्राम्य वनों की अवधारणा।
- विश्वपर्यावरणसंवर्धनमेंसंयुक्तराष्ट्र का योगदान।
- वैदिकसाहित्य मेंविश्वबंधुत्व, पर्यावरणसंरक्षण एवंपारम्परिकमूल्यों की संकल्पना।

<u>यूनिटअष्टम</u> :-<u>क्षेत्र-कार्य</u> 25

- किसीपरिस्थितिकीतन्त्र (नदी, सरोवर, झील, वन, चारागाहआदि)कास्थानीय भ्रमणतथाउसकेविभिन्नअवयवोंकाअध्ययन।
- किसीअभयारण्य, राष्ट्रीय उद्यानअथवाबायोस्फीयररिजर्वकाभ्रमण एवम् अध्ययन (वन्य जीवों कीस्थिति, जैवविविधता, संरक्षण एवम् उपादेयता)।
- उत्तराखण्ड के प्रमुख औषधीय पादपों एवंप्रमुख पक्षियोंकाविवरण।